



वे दुष्टात्माओं को निकालेंगे

अलौकिक रविवार संदेश

संदेश नोट्स, संदेश रूपरेखा और छोटे समूह अध्ययन मार्गदर्शिका

## वे दुष्टात्माओं को निकालेंगे

अलौकिक रविवार संदेश, 31 मई 2026 - संदेश रूपरेखा

### आत्मिक क्षेत्र में संघर्ष

#### इफिसियों 6:12

"क्योंकि हमारा यह मल्लयुद्ध लहू और मांस से नहीं, परन्तु प्रधानताओं से, अधिकारियों से, इस संसार के अंधकार के हाकिमों से, और उस दुष्टता की आत्मिक सेनाओं से है जो आकाश में हैं।"

विश्वासियों के रूप में हम जानते हैं कि हम आत्मिक संघर्ष में हैं। ऐसी दुष्ट आत्मिक शक्तियाँ हैं जिनका हमें सामना करना पड़ता है।

हम शत्रु (2 कुरिन्थियों 2:11) और उसकी युक्तियों से अनजान नहीं हैं। हम शैतान की योजनाओं से परिचित हैं। इनमें से कुछ पर विचार करें:

### दुष्टात्माओं की गतिविधियाँ

हम नीचे बताई गई हर गतिविधि को सीधे दुष्टात्माओं का कार्य नहीं ठहरा रहे हैं, क्योंकि हम जानते हैं कि ऐसी समस्याओं के अन्य कारण भी हो सकते हैं जिन्हें पहचानना और उनका समाधान करना आवश्यक है।

### चोरी करना, हत्या करना और नाश करना (यूहन्ना 10:10)

शत्रु चोरी करने, हत्या करने और नाश करने का प्रयास करता है—अर्थात् जो कुछ परमेश्वर ने अपने लोगों के लिए उपलब्ध कराया है उसे छीन लेना, या हमें हमारे विशेषाधिकारों और आशीषों का आनंद लेने से रोकना।

### बीमारी (प्रेरितों के काम 10:38)

हम समझते हैं कि बीमारी अनेक कारणों से हो सकती है। हर बीमारी या शारीरिक समस्या सीधे किसी दुष्टात्मा के कारण नहीं होती। फिर भी हमें यह समझना चाहिए कि कभी-कभी कुछ शारीरिक समस्याएँ दुष्टात्माओं की गतिविधि के कारण भी हो सकती हैं।

### भारीपन (यशायाह 61:3)

बाइबल बताती है कि शत्रु हमारे मन के विरुद्ध विभिन्न प्रकार से कार्य कर सकता है। इनमें से एक है "भारीपन"—ऐसी अवस्था जो हमें भावनात्मक रूप से दबा देती है, जैसे अवसाद, भ्रम, निराशा, आशाहीनता, आत्महत्या के विचार आदि।



वे दुष्टात्माओं को निकालेंगे

अलौकिक रविवार संदेश

संदेश नोट्स, संदेश रूपरेखा और छोटे समूह अध्ययन मार्गदर्शिका

## परिस्थितियाँ (अय्यूब 1 और 2)

अय्यूब की पुस्तक में शैतान के कार्य:

- लोगों के माध्यम से विनाश करना (अय्यूब 1:13-14,17)
- मौसम के द्वारा—आकाश से आग गिराना (अय्यूब 1:16)
- मौसम के द्वारा—तेज़ हवा से जीवनों का नाश करना (अय्यूब 1:19)
- स्वास्थ्य पर आक्रमण—दर्दनाक फोड़े उत्पन्न करना (अय्यूब 2:7)

अय्यूब की पुस्तक में इन घटनाओं के आधार पर हम समझते हैं कि दुष्ट आत्मिक शक्तियाँ विश्वासियों के विरुद्ध ऐसे कार्य कर सकती हैं।

## बाधाएँ (2 कुरिन्थियों 12:7; 1 थिस्सलुनीकियों 2:18)

- पौलुस को शैतान का एक दूत लगातार सेवकाई में विरोध करता था (2 कुरिन्थियों 12:7)।
- शैतान ने पौलुस के सुसमाचार कार्य में बाधा डाली (1 थिस्सलुनीकियों 2:18)।

अब जबकि हम दुष्ट आत्मिक शक्तियों की कुछ युक्तियों, कार्यों और गतिविधियों से परिचित हो चुके हैं, हमें यह भी सीखना चाहिए कि शैतान और उसकी दुष्टात्माओं के विरुद्ध अपनी रक्षा कैसे करें और उन पर विजय कैसे प्राप्त करें।

हम कुछ महत्वपूर्ण सत्यों और उनके अनुप्रयोग पर विचार करेंगे:

## दुष्टात्माओं को निकालने का अधिकार

### मरकुस 16:17-18

"जो विश्वास करेंगे, उनके साथ ये चिन्ह होंगे: वे मेरे नाम से दुष्टात्माओं को निकालेंगे, नई-नई भाषाएँ बोलेंगे... वे बीमारों पर हाथ रखेंगे और वे चंगे हो जाएँगे।"

प्रभु यीशु ने यह घोषणा सभी विश्वासियों के लिए की। यह अधिकार हम सभी के लिए उपलब्ध है।

"वे दुष्टात्माओं को निकालेंगे" — यह कार्य हमें करना है। हमें पहल करनी है। जो कार्य परमेश्वर ने हमें सौंपा है, उसे वह हमारे स्थान पर नहीं करेगा।

"मेरे नाम से" — हम वह अधिकार प्रयोग कर रहे हैं जो स्वयं यीशु मसीह ने हमें सौंपा है। मसीह ने मनुष्य के रूप में क्रूस पर शैतान और उसकी सभी दुष्टात्माओं पर विजय प्राप्त की। हम उसी पूर्ण किए हुए कार्य में चलते हैं।



वे दुष्टात्माओं को निकालेंगे

अलौकिक रविवार संदेश

संदेश नोट्स, संदेश रूपरेखा और छोटे समूह अध्ययन मार्गदर्शिका

## **बाँधने और खोलने का अधिकार**

### **मत्ती 12:28-29**

"यदि मैं परमेश्वर के आत्मा की सामर्थ्य से दुष्टात्माओं को निकालता हूँ, तो परमेश्वर का राज्य तुम्हारे पास आ पहुँचा है... जब तक कोई पहले बलवान को बाँध न ले, तब तक उसके घर में प्रवेश करके उसका सामान नहीं लूट सकता।"

हम पवित्र आत्मा की सामर्थ्य से अलौकिक रूप से समर्थ किए गए हैं, जो हमारे भीतर और हम पर है। पवित्र आत्मा की सामर्थ्य से हम "बलवान" को बाँधते हैं और उसके घर को लूटते हैं। यहाँ हम शत्रु के गढ़ों और उसके प्रभाव के क्षेत्रों को तोड़ने के लिए आक्रामक रूप से आगे बढ़ते हैं।

### **मत्ती 16:16-19**

प्रभु यीशु ने कलीसिया को बाँधने और खोलने का अधिकार दिया है।

"अधोलोक के फाटक" अर्थात् अंधकार की सारी शक्तियाँ, कलीसिया को उसके परमेश्वर-प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करने से रोक नहीं सकतीं।

- **बाँधना** — किसी बात को पृथ्वी पर रोकना या निषिद्ध करना।
- **खोलना** — किसी बात की अनुमति देना, उसे स्वतंत्र करना या मुक्त करना।

## **दुष्टात्माओं की गतिविधियों पर अधिकार का प्रयोग करना**

आज का स्मरण और निमंत्रण यह है कि हम सभी विश्वासी दुष्टात्माओं की गतिविधियों पर अपने परमेश्वर-प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करें —अपने जीवन में भी और दूसरों के लिए भी।

### **अपने जीवन के लिए**

अपने जीवन की परिस्थितियों के विषय में यीशु के नाम में अधिकार के साथ बोलें और घोषणा करें।

### **दूसरों के जीवन के लिए**

दूसरों के जीवन की परिस्थितियों के विषय में भी यीशु के नाम में अधिकार के साथ बोलें और घोषणा करें।